

BBYCT-131

सत्रीय कार्य पुस्तिका

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी.एससी.जी.)

जैव विविधता (सूक्ष्मजीव, एल्गी, फंजाई, और आर्किगोनिएट्स)

1 जनवरी, 2026 से 31 दिसंबर, 2026 तक वैध



विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110 068

(2026)

प्रिय विद्यार्थी,

आपके नामांकन के बाद हमने आपको स्नातक उपाधि कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका भेजी थी। उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग है, उसे कृपया पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं, सतत मूल्यांकन के लिए 30% अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको इस पाठ्यक्रम का एक सत्रीय कार्य हल करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है और इसके कुल अंक 100 हैं। सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए आपको 35% अंक चाहिए।

सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

- 1) अपनी TMA उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार विवरण लिखें।

नामांकन संख्या :

नाम :

पता :

.....

.....

पाठ्यक्रम कोड :

पाठ्यक्रम शीर्षक :

सत्रीय कार्य कोड :

अध्ययन केंद्र :

दिनांक :

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गए प्रारूप का सही अनुसरण करें।

- 2) अपने उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप कागज़ का इस्तेमाल करें, जो बहुत पतला न हो।
- 3) प्रत्येक कागज़ पर बायें, ऊपर और नीचे 4 से.मी. जगह छोड़ें।
- 4) आपके उत्तर सटीक और अपने शब्दों में होने चाहिए।
- 5) इस सत्रीय कार्य को हल करें, और **संपूर्ण सत्रीय कार्य को वैध तिथि के भीतर अपने अध्ययन केंद्र में जमा कर दें।**
- 6) आपको अपनी सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका दिए गए समय के भीतर जमा करनी है। **वैध तिथि के बाद सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका नहीं ली जायेगी।**

हमारा सुझाव है कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।

- 7) यह सत्रीय कार्य **01 जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर, 2026 तक वैध** है। यदि आप इस सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण नहीं हो पाते या इसे दिसम्बर, 2026 से पहले जमा नहीं कर पाते तो आपको अगले वर्ष का सत्रीय कार्य करना होगा और कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार इसे जमा करना होगा।
- 8) यदि आप इस सत्रीय कार्य को जमा नहीं करेंगे तो **आप इस पाठ्यक्रम का सत्रांत परीक्षा फार्म जमा नहीं कर सकेंगे।**

हमारी शुभकामनाएं आपके साथ हैं।

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : BBYCT-131
सत्रीय कार्य कोड: BBYCT-131/TMA/2026
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों को करना अनिवार्य हैं। हर प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

1. क) "जीवाणुओं का मानव जीवन पर उनका लाभदायक क्रियाकलापों के द्वारा (5+5=10)
अत्यधिक प्रभाव होता है।" इसे उदाहरणों के साथ वर्णित कीजिए।
ख) स्वच्छ चित्र के साथ लयजनक (लाइसोजेनिक) चक्र को बताइए।
2. क) नालयुग्मी (साइफोनोगेमस) और सरचयुग्मी (जोइडोगेमस) पादपों पर एक लघु (5+5=10)
टिप्पणी लिखिए।
ख) कवकमूल (माइकोराइजा) का वर्णन कीजिए। यह किस प्रकार परपोषी की
सहायता करता है ?
3. सायनोफाइटा के ठार-ठिकाने, आकारिकी तथा परासंरचना को विस्तार से लिखिए। (10)
4. क) जिम्नोस्पर्मस (आवृतबीजियों) में परागण और निषेचन की क्रियाविधियों को (5+5=10)
समझाइए।
ख) विषमबीजाणुता को परिभाषित कीजिए। इसके जैविक महत्व को व्याख्या
कीजिए।
5. क) पर्पटमय या पणिल लाइकेनों की संरचना और शरीर को संक्षेप में वर्णन (5+5=10)
कीजिए।
ख) ब्रायोफाइटों को वनस्पति का अग्रणी क्यों माना जाता है? वे मिट्टी के कटाव
की रोकथाम तथा पौषकों के पुनः चक्रण में किस प्रकार सहायक हैं?
6. क) लाइकोफाइटा की विशेषताएँ बताइए। (5+5=10)
ख) पाइनस में परागण और निषेचन कैसे होता है? व्याख्या कीजिए।
7. क) टेरिडोफाइट्स या जिम्नोस्पर्मस के आर्थिक महत्व का वर्णन कीजिए। (5+5=10)
ख) साइकस और पाइनस के नर जननांगों की तुलना कीजिए।
8. क) चित्रों की सहायता से पौलीसाइफोनिया लैंगिक जनन का वर्णन कीजिए। (5+5=10)
ख) सिद्ध कीजिए कि जिम्नोस्पर्म के बीज में दोनों पीढ़ियों का उत्कृष्ट संयोजन
होता है।
9. क) जीवाणुओं में आनुवंशिक पुनर्योग की क्रियाविधियों का उपयुक्त चित्रों सहित (5+5=10)
वर्णन कीजिए।
ख) उपयुक्त चित्र की सहायता से, फ्यूनेरिया में लैंगिक जनन की व्याख्या
कीजिए।

10. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए:

(2½×4=10)

- i) कवकीय एन्टीबायोटिक्स और औषधियाँ ।
- ii) HIV विषाणु
- iii) जन्तुओं और मनुष्यों में कवकीय रोग ।
- iv) बेसीडियोमाइसिटम में क्लैम्प सम्बन्धनों का बनना ।